पाठ – 2 भारत में राष्ट्रवाद

संक्षेप में लिखे

Q1. व्याख्या करें-

(क) उपनिवेशो में राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से जुड़ी हुई क्यों थी |
(ख) पहले विश्व युद्ध में भारत ने राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में किस प्रकार योगदान दिया (ग)भारत के लोग रौलट एक्ट के विरोध में क्यों थे
(घ) गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला क्यों लिया?

उत्तर- (क) उपनिवेशवाद ने लोगों की स्वतंत्रता को प्रभावित किया, और साम्राज्यवादी वर्चस्व के खिलाफ संघर्ष की प्रक्रिया के दौरान राष्ट्रवादी भावनाओं में वृद्धि हुई। उत्पीड़न और शोषण की भावना विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के लिए एक आम बंधन बन गई, और इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रवादी आदर्शों की वृद्धि हुई। इस प्रकार, उपनिवेशों में राष्ट्रवाद का विकास उपनिवेश विरोधी आंदोलनों से जुड़ा हुआ है।

(ख) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, ब्रिटिश सेना ने भारत में ग्रामीण क्षेत्रों से जबरन भर्ती की। रक्षा व्यय को वित्त करने के लिए, उच्च कस्टम कर्तव्यों और आय करों को लगाया गया था। इसके अलावा, इस दौरान भारत के कई हिस्सों में फसलें खराब हुईं, जिससे खाद्यान्न की कमी हुई। यह सब ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ व्यापक क्रोध और विरोध का कारण बना, और भारत का राष्ट्रीय आंदोलन एक मजबूत, अधिक निश्चित दिशा की ओर अग्रसर हुआ।

(ग) रोलेट एक्ट को भारतीय सदस्यों के विरोध के बावजूद इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के माध्यम से जल्दबाजी में पारित किया गया। इसने सरकारी निरंकुश शक्तियों को दो साल तक बिना किसी मुकदमे के राजनीतिक कैदियों को रखने की अनुमति देने के अलावा राजनीतिक गतिविधियों को दबाने के लिए दिया। इस अधिनियम से भारतीय नाराज़ थे, क्योंकि यह स्पष्ट रूप से अलोकतांत्रिक और दमनकारी था, और राष्ट्रीय भावनाओं और गरिमा को चोट पहुंचाई।

(घ) गांधी जी ने 1922 में जनता द्वारा हिंसा की विभिन्न घटनाओं के कारण असहयोग आंदोलन को वापस लेने का निर्णय लिया, विशेषकर चौरी चौरा की घटना जहाँ लोगों ने पुलिस के साथ झड़प की, एक पुलिस-स्टेशन को आग लगा दी। गाँधीजी ने महसूस किया कि लोग अभी तक एक बड़े संघर्ष के लिए तैयार नहीं थे, और सत्याग्रहियों को अहिंसक प्रदर्शनों के लिए ठीक से प्रशिक्षित होने की आवश्यकता थी।

Q2. सत्याग्रह के विचार का क्या मतलब है?

उत्तर- सत्याग्रह का विचार जन आंदोलन की एक अनूठी विधि का अर्थ है जो सत्य की शक्ति पर जोर देता है, और सत्य की खोज करने की आवश्यकता है। यह इस विश्वास को बढ़ाता है कि यदि कारण सत्य है और लड़ाई अन्याय के खिलाफ है, तो उत्पीड़क के खिलाफ शारीरिक बल या ज़बरदस्ती की आवश्यकता नहीं है। सत्याग्रह अहिंसक आंदोलन का पर्याय है, जहां न्याय की खोज के लिए उत्पीड़क की अंतरात्मा की

आवाज़ पर अपील की जाती है। गाँधीजी का मानना था कि अहिंसा का यह धर्म राष्ट्रीय एकता और सद्भाव का कारण हो सकता है।

Q3. निम्नलिखित पर अखबार के लिए रिपोर्ट लिखें -
(क) जलियाँवाला बाग हत्याकांड
(ख) साइमन कमीशन

उत्तर- (क) जलियाँवाला बाग हत्याकांड — 13 अप्रैल, 1919 को जनरल डायर ने जलियाँवाला बाग के संलग्न मैदान से निकास बिंदुओं को अवरुद्ध कर दिया, जहाँ बड़ी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई थी - कुछ लोग ब्रिटिश सरकार के दमनकारी उपायों के विरोध में, अन्य लोग वार्षिक बैसाखी मेले में भाग लेने के लिए । डायर का उद्देश्य "नैतिक प्रभाव पैदा करना" और सत्याग्रहियों को आतंकित करना था। ब्रिटिश सैनिकों द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी में इस दिन महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों निर्दोष लोग मारे गए। इसके कारण बड़े पैमाने पर हमले हुए, पुलिस के साथ झड़पें हुईं और क्रोधित भारतीय लोगों द्वारा सरकारी इमारतों पर हमले किए गए।

(ख) साइमन कमीशन- यह 1928 में भारत में आया और "गो बैक साइमन" के विरोध नारों का सामना किया। ऐसा इसलिए था क्योंकि यह निकाय भारतीय शासन में संवैधानिक परिवर्तनों का सुझाव देने के लिए था, लेकिन इसमें कोई भी भारतीय सदस्य नहीं था। कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने संयुक्त रूप से इसके खिलाफ प्रदर्शन किया। लॉर्ड इरविन ने भारत को आंदोलन को समाप्त करने के लिए एक अस्पष्ट "प्रभुत्व स्थिति" की घोषणा की, अक्टूबर 1929 में एक गोलमेज सम्मेलन के लिए अग्रणी।

Q4. इस अध्याय में दी गई भारत माता की छवि और अध्याय 1 में दी गई जर्मेनिया की छवि की तुलना कीजिए |

उत्तर- रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा चित्रित भारत माता की छवि उन्हें सर्वश्रेष्ठ शिक्षण, भोजन और वस्त्र के रूप में दिखाती है। वह सौंदर्य गुणवत्ता को अपने द्वारा धारण किए गए माला द्वारा दर्शाती है। यह फिलिप वीट द्वारा चित्रित जर्मन की छवि के समान है, जहां वह एक तलवार रखती है, लेकिन अधिक स्त्री लगती है। भारत माता की अन्य पेंटिंग उसके प्रतिनिधित्व में अधिक मर्दाना है। इसमें, उसे शेर के रूप में शेर और हाथी द्वारा दर्शाए गए शक्ति और अधिकार के रूप में दिखाया गया है। बाद की छवि लोरेंज क्लसेन द्वारा जर्मनिया की छवि के समान अधिक है, जहां वह एक तलवार और ढाल का निर्माण करती है, और लड़ने के लिए तैयार दिखती है।

चर्चा करे

Q1. 1921 में आंदोलन में शामिल होने वाले सभी सामाजिक समूहों की सूची बनाइए | इसके बाद उनकी आशाओं के बारे में लिखते हुए आंदोलन में शामिल हुए

उत्तर- 1921 के असहयोग आंदोलन में शामिल होने वाले विभिन्न सामाजिक समूह शहरी मध्य वर्ग थे जिनमें वकील, शिक्षक और प्रधानाध्यापक, छात्र, किसान, आदिवासी और श्रमिक शामिल थे। किसान, आदिवासी और श्रमिक देहात क्षेत्र से आंदोलन में शामिल हुए। उन्होंने आत्म-मुक्ति की आशाओं के साथ

ऐसा किया। किसानों ने तालुकदारों और जमींदारों के खिलाफ विद्रोह किया जिन्होंने उच्च किराए की मांग की और उन्हें भिखारी या मुक्त श्रम करने के लिए भी मजबूर किया। जनजातीय किसानों ने ब्रिटिश सरकार द्वारा बड़े वन पथों के बाड़े के खिलाफ विद्रोह किया, जिससे उन्हें आजीविका के साथ-साथ पारंपरिक अधिकारों से भी रहित होना पड़ा। दूसरी ओर, वृक्षारोपण श्रमिकों ने उन गांवों के साथ संबंध बनाने और उनके साथ संबंध बनाए रखने की स्वतंत्रता की इच्छा की। इन तीनों का मानना था कि गांधी राज असहयोग आंदोलन के साथ आएगा, और इससे उनके दुखों का अंत होगा। इसलिए, वे उपनिवेश विरोधी संघर्ष में शामिल हो गए।

Q2. नमक यात्रा की चर्चा करते हुए स्पष्ट करें कि यह उपनिवेशवाद के खिलाफ प्रतिरोध का एक असरदार प्रतीक था

उत्तर- नमक मार्च उपनिवेशवाद के खिलाफ प्रतिरोध का एक प्रभावी प्रतीक था क्योंकि यह अमीर और गरीबों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक कमोडिटी-नमक के खिलाफ विद्रोह में किया गया था। नमक पर कर, और इसके उत्पादन पर सरकार का एकाधिकार एक गंभीर दमनकारी प्रशासनिक कदम था। नमक मार्च प्रभावी भी था क्योंकि गांधीजी मार्च के दौरान बड़ी संख्या में आम लोगों से मिले थे और उन्होंने उन्हें स्वराज और अहिंसा का सही अर्थ सिखाया था। शांतिपूर्वक एक कानून को धता बताते हुए और सरकारी आदेशों के खिलाफ नमक बनाते हुए, गांधीजी ने पूरे देश के लिए एक उदाहरण पेश किया कि कैसे अत्याचारी का अहिंसात्मक तरीके से सामना किया जा सकता है। इसने 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन का भी नेतृत्व किया।

Q3. कल्पना कीजिए कि आप सिविल नाफरमानी आंदोलन में हिस्सा लेने वाली महिला है | बताइए कि इन अनुभव का आपके जीवन में क्या अर्थ होता ?

उत्तर- गाँधीजी के सविनय अवज्ञा आंदोलन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया था। इस आंदोलन में भाग लेने के लिए वहाँ से हज़ारो महिलाएँ घरों से निकली थीं | उन्होंने मार्च में हिस्सा लिया, नमक निर्मित किया, विदेशी कपड़ों और शराब की दुकानों की चोरी में भाग लिया एवं विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार किया | कईयों को जेल में डाल दिया गया। भारत में एक महिला ने राष्ट्र को उनके पवित्र कर्तव्य के रूप में देखना शुरू किया |

Q4. राजनीतिक नेता पृथक निर्वाचक का के सवाल पर क्यों बँटे हुए थे ?

उत्तर- राय में मतभेद के कारण अलग-अलग मतदाताओं के सवाल पर राजनीतिक नेताओं में तेजी से मतभेद थे। जबकि अल्पसंख्यकों और दलितों के कारण का समर्थन करने वालों का मानना था कि केवल राजनीतिक सशक्तीकरण उनके सामाजिक पिछड़ेपन को हल करेगा, गांधीजी जैसे अन्य लोगों ने सोचा कि अलग-अलग मतदाता समाज में उनके एकीकरण की प्रक्रिया को धीमा कर देंगे। इसके अलावा, यह आशंका थी कि अलग निर्वाचकों की प्रणाली धीरे-धीरे देश को कई टुकड़ों में विभाजित करेगी क्योंकि प्रत्येक समुदाय या वर्ग तब अलग-अलग प्रतिनिधित्व मांगेगा।